समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

विश्व चैंपियंस भारत की महिला क्रिकेट टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्रं मोदी से की मुलाकात, प्रधानमंत्री ने सराहा टीम की मानसिक दृढ़ता और जज्बा

Sanket Morankar Published on 06 Nov 2025

भारत की नई **महिला क्रिकेट विश्व चैंपियन टीम** ने बुधवार को प्रधानमंत्री **नरेंद्रं मोदी** से उनके आधिकारिक आवास **7, लोक कल्याण मार्ग** पर भेंट की। यह मुलाकात केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि एक ऐसे सफर का जश्न थी जिसने भारतीय क्रिकेट इतिहास को नई दिशा दी।

तीन दिन पहले टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को **52 रनों से मात देकर महिला वनडे विश्व कप 2025** का खिताब अपने नाम किया था। यह जीत न केवल मैदान पर संघर्ष की कहानी थी, बल्कि उस मानसिक दृढ़ता की मिसाल भी थी जिसने कठिन परिस्थितियों में टीम को अडिग रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व कप विजेता खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों का अपने आवास पर स्वागत किया। मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा —

> “आप सभी ने केवल ट्रॉफी नहीं जीती है, बल्कि देश के करोड़ों दिल जीत लिए हैं। आपकी एकजुटता, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता इस बात का प्रतीक है कि भारत की बेटियाँ अब हर क्षेत्र में विश्व मंच पर छा रही हैं।”

प्रधानमंत्री ने टीम की यात्रा को “प्रेरणा की कहानी” बताया और विशेष रूप से यह सराहा कि कैसे टीम ने शुरुआती तीन हार के बावजूद हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने कहा कि हार के बाद संयम और धैर्य रखना ही असली चैंपियन की पहचान है।

भारतीय कप्तान **हरमनप्रीत कौर** ने प्रधानमंत्री को बताया कि टीम ने इस टूर्नामेंट में कई चुनौतियों का सामना किया।

> “शुरुआत में लगातार तीन मैच हारने के बाद हम मानसिक रूप से दबाव में थे, लेकिन हमने ठान लिया था कि अब

हर मैच को फाइनल की तरह खेलेंगे," उन्होंने कहा।

टीम की उपकप्तान **स्मृति मंधाना** ने बताया कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन के शब्द उनके लिए बेहद प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा —

> "मोदी जी ने हमें याद दिलाया कि खेल में हारना और जीतना सामान्य है, लेकिन मानसिक रूप से मजबूत रहना ही आपको विजेता बनाता है।"

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से हँसी-मजाक के अंदाज़ में कहा कि अब पूरा देश "हरमनप्रीत की टीम" पर गर्व करता है और आने वाली पीढ़ियाँ इन खिलाड़ियों को आदर्श मानेंगी।

तीन दिन पहले नवी मुंबई के **डी. वाई. पाटिल स्टेडियम** में गूँजती 'भारत माता की जय' की आवाज़ें अब दिल्ली के उच्च सुरक्षा वाले इलाके में सुनाई दीं, जब खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री निवास पहुँचीं।
वहाँ सुरक्षा कड़ी थी, लेकिन माहौल भावनाओं से भरा हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत बातचीत की और उनके अनुभव सुने। सभी खिलाड़ियों के साथ सामूहिक तस्वीर ली गई, जो अब भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में एक सुनहरा क्षण बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी **मानसिक मजबूती** रही।

> "जीवन और खेल दोनों में उतार-चढ़ाव आते हैं। लेकिन जो व्यक्ति या टीम दबाव में भी शांत रहकर निर्णय ले सके, वही सच्चा विजेता होता है," उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह जीत न केवल खेल की जीत है, बल्कि **भारतीय नारी शक्ति की जीत** है। मोदी ने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे देशभर के स्कूलों और गाँवों में जाकर युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करें।

टीम की स्पिनर **दीप्ति शर्मा** ने कहा —

> "प्रधानमंत्री से मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने हमें बताया कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं, बल्कि यह देश के हर घर में आत्मविश्वास की भावना जगाता है।"

ऑलराउंडर **शैफाली वर्मा** ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों ने उन्हें भावनात्मक रूप से छू लिया।

> "उन्होंने कहा कि आपकी यह ट्रॉफी आने वाले समय में लाखों बेटियों को अपने सपने पूरे करने की प्रेरणा देगी। यही हमारे लिए सबसे बड़ी जीत है।"

हालांकि टीम इंडिया के लिए इस बार कोई खुली बस परेड या सार्वजनिक समारोह नहीं हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री आवास पर हुआ यह कार्यक्रम ही पूरे देश के लिए गर्व का प्रतीक बन गया।
टीम इंडिया की यह जीत केवल खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि देश के बदलते दृष्टिकोण और **महिला सशक्तिकरण** की नई परिभाषा है।

समापन में प्रधानमंत्री ने कहा —

> "आप सभी ने यह साबित किया है कि जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है, तो पूरा राष्ट्र आगे बढ़ता है। आपकी यह सफलता आने वाले वर्षों तक करोड़ों बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी।"

उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि भारत अब खेलों में नई ऊँचाइयों को छूने के

लिए तैयार है।

यह मुलाकात भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बन गई है। डी. वाई. पाटिल स्टेडियम की गूँज से लेकर लोक कल्याण मार्ग की शांति तक, यह यात्रा बताती है कि **सपनों की कीमत संघर्ष से चुकानी पड़ती है, और सफलता का स्वाद वही जानता है जो हार के बाद भी मुस्कुराना जानता है।**

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने यह दिखा दिया है कि ट्रॉफी से बड़ी चीज़ होती है—**देश का गर्व** और **मानसिक दृढ़ता**, जो हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। ???

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.